C–DRN–N–GDPB

अर्थशास्त्र (प्रश्न-पत्र–II)

समय : तीन घण्टे	अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

दो खण्डों में कुल **आठ** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए तथा यदि उत्तर की शब्द सीमा मान्य सीमा से ज्यादा अधिक अथवा ज्यादा कम हो, तो अंकों में कटौती की जा सकती है।

जहाँ आवश्यक हो, आलेख/चित्र उत्तर के लिए दिए गए स्थान में ही दर्शाइए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ECONOMICS (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Graphs/illustrations, wherever required, may be drawn/given in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) भारत में लम्बे अरसे तक टिकी गरीबी और भारतीय अर्थव्यवस्था की रुद्ध प्रगति के लिए ब्रिटिश काल की भूमि व्यवस्था उत्तरदायी थी। विवेचना कीजिए।
Land system during the British period was responsible for sustained poverty in India and stagnant growth of Indian economy. Discuss.

(b) ब्रिटिश शासनकाल की विभेदात्मक संरक्षण नीति एवं भारतीय उद्योगों के विकास पर उसके प्रभाव के बारे में लिखिए।
Write about the policy of discriminating protection during the British rule and its impact on industrial development in India.

(c) क्यों विकास का समाजवादी मॉडल भारत में आय के न्यायपूर्ण वितरण को लाने में सफल नहीं रहा तथा देश 3 से 3·5 प्रतिशत के धीमे विकास पथ पर दीर्घकाल तक बना रहा? विवेचना कीजिए।
Why socialist model of development could not bring about equitable distribution of income in India and the country remained on a slow growth trajectory of 3 to 3·5 percent for a long time? Discuss.

(d) उन प्रमुख कारणों का उल्लेख कीजिए, जिनसे भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास निचले स्तर तक नहीं पहुँच सका और आर्थिक न्याय के लिए 'समावेशी विकास' को प्रभावी रूप से लाने का प्रयास किया जा रहा है।
Specify the main factors which hindered trickle-down in Indian economy and agenda of 'inclusive growth' is being pressed into for economic justice.

(e) समाजवादी ढाँचे के समाज एवं मिश्रित अर्थव्यवस्था की अवधारणाओं से विरत होने का विशेषतः गरीबी रेखा से नीचे रहने वालों पर क्या प्रभाव पड़ेगा? समझाइए।
What are the consequences of deviation from socialistic pattern of society and mixed economy particularly for the persons below the poverty line? Explain.

2. *(a)* ज्याँ ड्रेज एवं अमर्त्य सेन के गरीबी-निवारण की संवृद्धि-संचरित सुरक्षा एवं सहायता-प्रेरित सुरक्षा की कार्यनीतियों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।
Elaborate growth-mediated security and support-led security strategies of poverty alleviation given by Jean Dreze and Amartya Sen. 20

(b) क्या आप समझते हैं कि गाँधी के विकास का दृष्टिकोण भारत के लिए आज भी प्रासंगिक है? कारण सहित समझाइए।
Do you think Gandhian vision of development is still relevant in India? Explain with reasons. 15

(c) भारत में भूमि सुधार अभी तक क्यों नहीं पूर्ण हुए हैं? इसके रास्ते में क्या रुकावटें हैं? विस्तृत कीजिए।
Why are land reforms still not complete in India? What are the obstacles in its way? Elaborate. 15

3. *(a)* हरित क्रांति का प्रभाव क्यों समाप्त-सा हो गया है और दूसरी हरित क्रांति अथवा सर्वदा हरित क्रांति की भारत में आवश्यकता क्यों महसूस की जा रही है? विवेचना कीजिए।
Why Green Revolution lost its steam and India needs yet another Green Revolution or Evergreen Revolution? Discuss. 20

(b) भारतीय अर्थव्यवस्था में 1991 से पूर्व हुए संरचनात्मक परिवर्तनों पर प्रकाश डालिए।
Highlight the structural changes in Indian economy before 1991. 15

(c) भारत की श्रम नीति तथा भारतीय अर्थव्यवस्था में रोज़गार (श्रमिक) बाज़ार पर उसके प्रभाव की परीक्षा कीजिए।
Examine the Labour Policy of India and its impact on employment (labour) market in Indian economy. 15

4. *(a)* ग्रामीण क्षेत्र में रोज़गार बढ़ाने एवं आय-सृजन हेतु उपयोगी स्थायी परिसम्पत्तियों का निर्माण करने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना को पुनरभिमुखीकृत करना चाहिए। समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
National Rural Employment Guarantee Scheme should be reoriented to create productive permanent assets to promote employment and generate income in the rural sector. Critically evaluate. 20

(b) भारत में सापेक्षतया धनी प्रदेशों में बड़े पैमाने पर किसानों की आत्महत्या के उत्तरदायी कारक कौन-कौन से हैं? परीक्षण कीजिए।
What are the factors responsible for large number of farmers' suicides in relatively richer Indian States? Examine. 15

(c) भारतीय अर्थव्यवस्था में प्राक्-सुधार काल में साकल्यवादी (होलिस्टिक) विकास के प्रयासों के बावजूद द्वि-भाजित विकास उत्पन्न हुआ। इसके लिए उत्तरदायी कारणों की विवेचना कीजिए।
In Indian economy, dichotomy of development emerged during the pre-reform period despite efforts of holistic development. Delineate the factors responsible for it. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) गरीबी साधने एवं धीमी विकास दर के संदर्भ में उभरे भगवती-सेन विवाद के मुद्दों पर प्रकाश डालिए।
Highlight the issues of Bhagwati-Sen controversy over tackling poverty and slow growth rate.

(b) हाल के वर्षों में भारत का आर्थिक विकास सेवाक्षेत्र-प्रधान है, जबकि चीन का विकास विनिर्माण-प्रधान है। इन दो मॉडलों के दीर्घकालीन धारणीय विकास हेतु क्या निहितार्थ हैं, समझाइए।
While Indian economic growth in recent years is services-led growth and Chinese model is manufacturing-led growth, show the implications of the two models for long-term sustainable development.

munotes.in

(c) उत्तर-सुधार काल में भारत में रोज़गार का स्वरूप संविदा, आकस्मिक एवं स्व-रोज़गारपरक हो गया है। किस प्रकार सार्वजनिक क्षेत्र में रोज़गार कम होते जाने का प्रभाव श्रम (रोज़गार) बाज़ार के भविष्य पर पड़ेगा? विवेचना कीजिए।
Employment pattern in India in post-reform period has moved in favour of contractual, casual and self-employment. How public sector employment deceleration would impact the future of labour (employment) market in India? Elaborate.

(d) भारतीय अर्थव्यवस्था के दीर्घकालीन विकास हेतु चीन की भाँति दक्षता का विकास एवं उसके द्वारा श्रम उत्पादकता की बढ़ोतरी ही रामबाण हो सकता है। व्याख्या कीजिए।
Skill development and thereby raising labour productivity like that in China would be the only panacea for long-term growth in Indian economy. Discuss.

(e) अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर बढ़ाने हेतु दूसरी पीढ़ी के आर्थिक विकास की नितान्त आवश्यकता है। इन आयामों पर प्रकाश डालिए।
Second generation economic reforms are crucial for raising the growth rate of economy. Throw light on these dimensions.

6. (a) एफ० आर० बी० एम० ऐक्ट की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं? उन पर आरोपित आलोचनाओं का परीक्षण कीजिए।
What are the salient features of FRBM Act? Examine the criticisms labelled against it. 20

(b) पूँजी खाते की परिवर्तनशीलता से सम्बन्धित बिन्दुओं की विवेचना कीजिए। इसके प्रकाश में भारत के महत्त्वपूर्ण पूँजी खाते के उदारीकरण के प्रयासों को रेखांकित कीजिए।
Discuss the issues involved in Capital Account Convertibility. In the light of this, explain India's important Capital Account Liberalization measures. 15

(c) किस प्रकार वैश्विक वित्तीय संकट एवं यूरोपीय देशों के संप्रभु ऋण संकट ने राजकोषीय अविवेक एवं सट्टाजनित उद्देश्य की ऋणात्मक भूमिका को उजागर किया? भारत इससे क्या सीख ले सकता है?
How global financial crisis and sovereign debt crisis of European nations exposed the disturbing role of speculative motive and fiscal imprudence? What lesson could India derive from it? 15

7. (a) भारत में 'आभिजात्यीय रुझान' एवं 'क्रोनी पूँजीवाद' ने सुदक्षता एवं वितरण-न्याय के मुद्दों को निस्तेज कर दिया है। समझाइए।
'Elitist bias' and 'crony capitalism' have eclipsed the issues of efficiency and distributive justice in India. Elaborate. 20

(b) 'समावेशी विकास' की कुंजी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्तिकरण है, जो 'स्ट्रैटेजिक प्रबंधन' एवं प्रौद्योगिक उच्चीकरण द्वारा संभव है। समझाइए।
Vitalization of rural economy is key to 'inclusive growth' which is possible through 'strategic management' and technological upgradation. Explain. 15

munotes.in

(c) किस प्रकार ई-प्रशासन (e-governance) सरकारी क्षेत्र में भ्रष्टाचार एवं अकुशलता के मुद्दों को साधकर अर्थव्यवस्था की उच्च विकास दर का मार्गदर्शन कर सकता है? बताइए।

How could e-governance tackle the issues of corruption and inefficiency in the government sector to lead to higher growth rate in the economy? Discuss. 15

8. (a) विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू० टी० ओ०) में सब्सिडि एक विवादित मुद्दा एवं गतिरोध है। भारत द्वारा अपने किसानों के हितों की सुरक्षा हेतु इस दिशा में उठाये कदमों का परीक्षण कीजिए।

Subsidy is a contentious issue and roadblock in the WTO. Examine India's stand for protecting its farmers' interests. 20

(b) भारत की 'पूर्व की ओर देखने की नीति' पर लिखिए।

Write on the Look East Policy of India. 15

(c) भारत के खुदरा व्यापार में प्रत्यक्ष विदेशी पूँजी निवेश के पक्ष एवं विपक्ष में लिखिए।

Write for and against FDI in retail trade of India. 15

★ ★ ★

munotes.in